हरे राम हरे रामा जपते थे हनुमाना

हरे राम हरे रामा, जपते थे हनुमाना,
इस मंत्र की महिमा को, सारे जग ने जाना ॥
हरे राम हरे रामा, जपते थे हनुमाना,,,,,,,,

जब केवट ने मुख से, इस मंत्र के बोल पढ़े ॥
श्री राम,,,,,,,श्री राम,,,,,,,,,,
त्रिलोक-पति आकर, केवट की नाव चढ़े ॥
हरे राम हरे रामा, जपते थे हनुमाना,,,,,,,,

इस मंत्र की महिमा को, जब भिलनी ने जान लिया ॥
श्री राम,,,,,,,श्री राम,,,,,,,,,,
रघुवर खुद घर आए, कितना सम्मान किया ॥
हरे राम हरे रामा, जपते थे हनुमाना,,,,,,,,,

इस मंत्र से हनुमत ने, सागर को पार किया ॥
श्री राम,,,,,,,श्री राम,,,,,,,,,,
उस कपटी रावण की, लंका को उजाड़ दिया ॥
हरे राम हरे रामा, जपते थे हनुमाना,,,,,,,,,

इस मंत्र से हार गया, रावण सा बलशाली ॥
श्री राम,,,,,,,श्री राम,,,,,,,,,,
इस मंत्र से तुलसी ने, रामायण लिख डाली ॥
हरे राम हरे रामा, जपते थे हनुमाना,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिल रामूर्ति भोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10551/title/hare-ram-hare-ram-jpte-the-hanumana

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |